बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

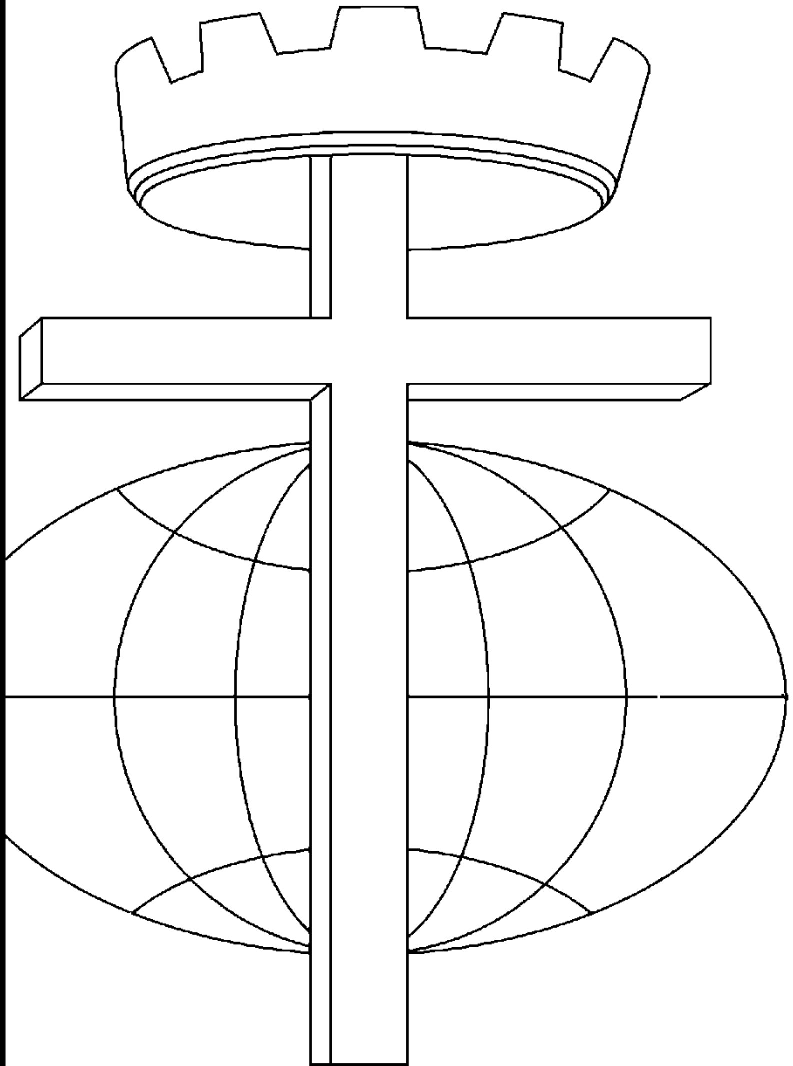

अच्छे राजा, और बुरे राजा

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Alastair Paterson; Lazarus
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

मनश्शे के लिए यह एक दुःख का समय था। उसके पिता, राजा हिजकिय्याह की मृत्यु हो गयी थी। केवल बारह वर्ष का मनश्शे, यहूदा में परमेश्वर के लोगों का नया राजा था। यह उसको पता तो नहीं था, लेकिन मनश्शे 55 साल के लिए राजा होने वाला था। मनश्शे को एक अच्छा राजा होने के लिए परमेश्वर के मदद की आवश्यकता थी।

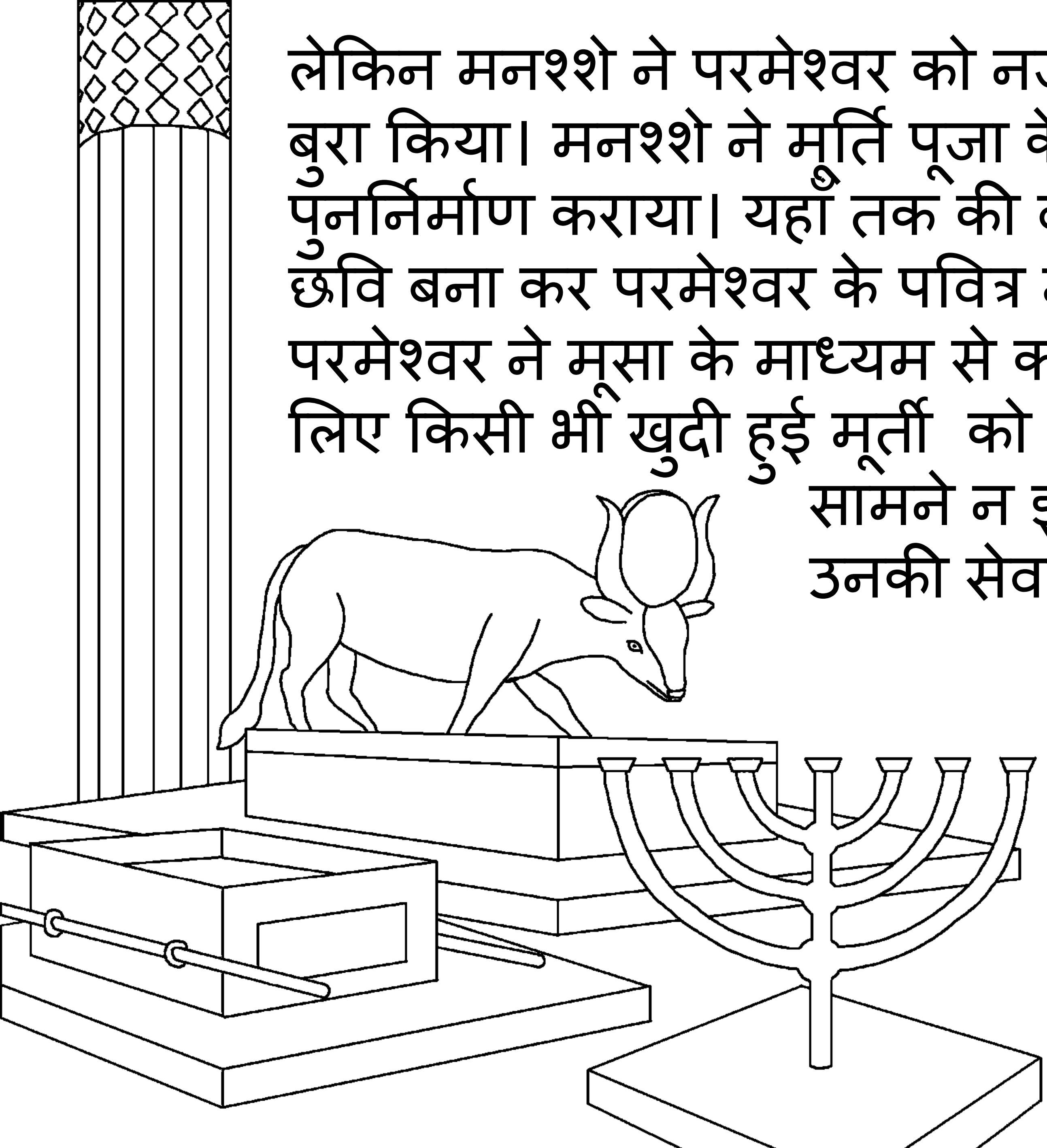

लेकिन मनश्शे ने परमेश्वर को नजरअंदाज कर बुरा किया। मनश्शे ने मूर्ति पूजा के लिए वेदियों का पुनर्निर्माण कराया। यहाँ तक की वह एक नक्काशीदार छवि बना कर परमेश्वर के पवित्र मंदिर में भी भेजा! परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से कहा था कि, तू अपने लिए किसी भी खुदी हुई मूर्ती को न बनाना। उनके सामने न झुकना और न ही उनकी सेवा करना।"

मनश्शे ने जादू और टोने का अभ्यास किया। उसने लोगों को परमेश्वर से दूर ले जाने का काम किया। यहाँ तक की राजा भी मूर्तियों के सामने बलिदान के लिए अपने बेटों तक को जला दिया। मनश्शे की अनाज्ञाकारिता परमेश्वर को बहुत की क्रोधित कर दिया।

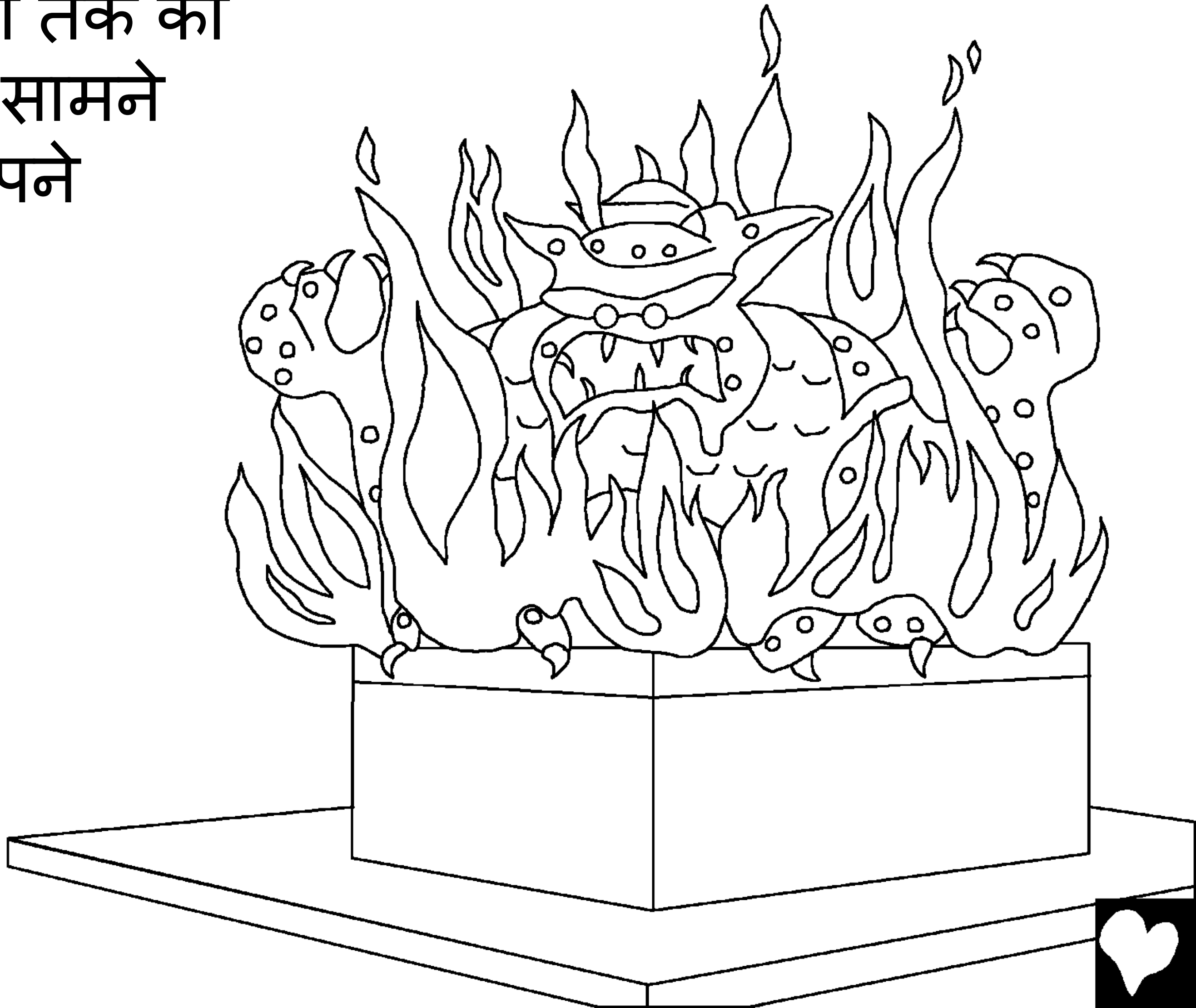

जब उसके लोग आज्ञा पालन नहीं करते हैं तब, परमेश्वर उन्हें दंडित भी करता है। यही मनश्शे और जिन लोगों पर वह शासन करता था, के साथ हुआ। यहोवा ने उन पर असीरियन सेना को लाया। मनश्शे को जंजीरों में बांध कर बाबुल के दूर देश को ले जाया गया।

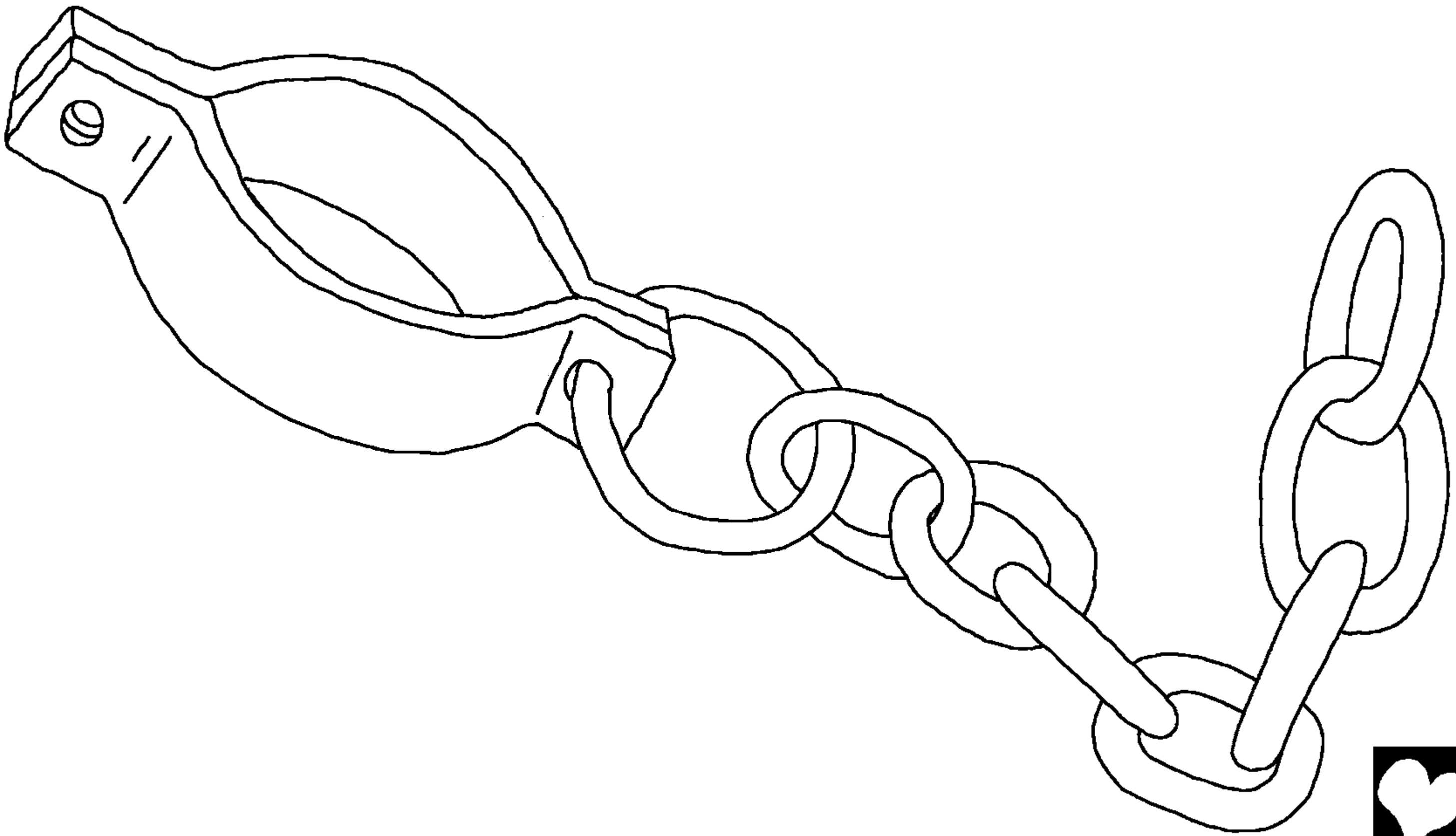

बाबुल में दुःख के समय, मनश्शे ने यहोवा, अपने परमेश्वर को पुकारा। वह अपने पिता के परमेश्वर के समक्ष अपने आप को बहुत दीन किया, और उससे प्रार्थना की। अब और अधिक मृत मूर्तियों से प्रार्थना नहीं! लेकिन, जीविते परमेश्वर से, उसकी सब दुष्टता के बावजूद क्या जीवित परमेश्वर मनश्शे को जवाब देगा?

हाँ! परमेश्वर ने, राजा की प्रार्थना सुन ली और यरूशलेम में उसे वापस लाया। वापस सिंहासन और लोगों पर राजा होने के लिए। अब मनश्शे ने जान लिया की यहोवा ही परमेश्वर है।

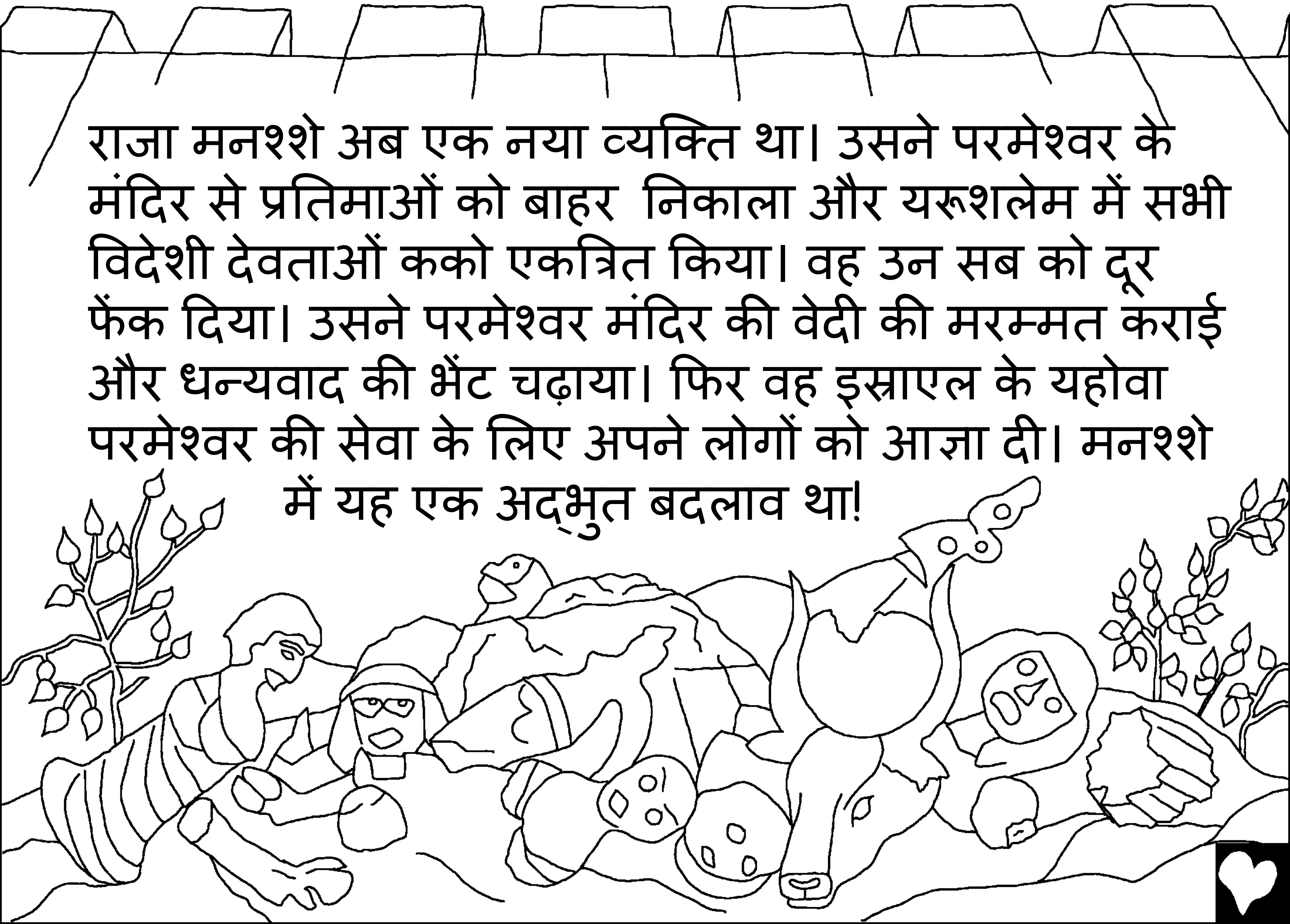

राजा मनश्शे अब एक नया व्यक्ति था। उसने परमेश्वर के मंदिर से प्रतिमाओं को बाहर निकाला और यरूशलेम में सभी विदेशी देवताओं कको एकत्रित किया। वह उन सब को दूर फेंक दिया। उसने परमेश्वर मंदिर की वेदी की मरम्मत कराई और धन्यवाद की भेंट चढ़ाया। फिर वह इस्राएल के यहोवा परमेश्वर की सेवा के लिए अपने लोगों को आज्ञा दी। मनश्शे में यह एक अद्भुत बदलाव था!

जब मनश्शे की मृत्यु हो गयी, तब उसका अपना ही पुत्र, आमोन, मूर्ति पूजा में लिप्त हो गया। लेकिन वह मनश्शे की तरह परमेश्वर के सन्मुख खुद को विनम्र नहीं किया। आमोन पाप पर पाप करता गया, इस लिए अंत में उसके सेवकों ने उसके ही घर में, उसकी हत्या कर दी। वह केवल दो वर्ष तक राज्य कर पाया।

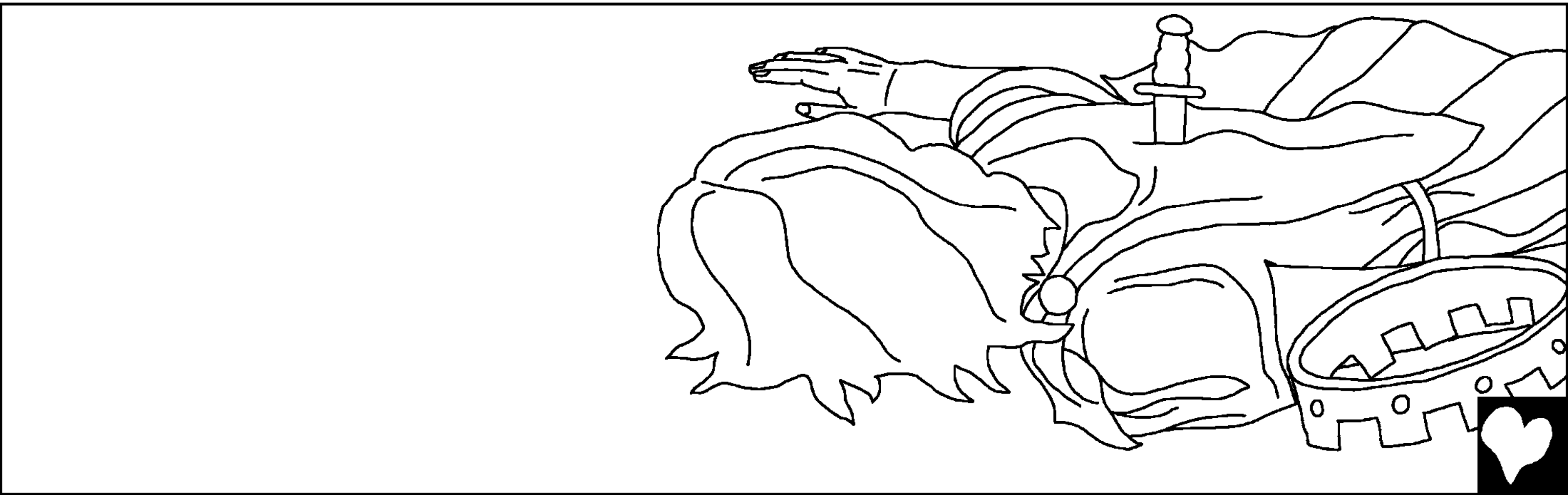

अगला राजा, योशिय्याह, केवल आठ साल का था। वह 31 वर्ष तक राज किया और जो परमेश्वर की नजर में सही था वही किया। वह सब झूठे पूजा पाठ और झूठे देवताओं को नष्ट कर दिया। वास्तव में, योशिय्याह ने सभी मूर्तियों को जमीन में पीसकर बुकनी कर डाला।

अच्छा राजा योशिय्याह ने परमेश्वर के मंदिर को साफ और मरम्मत करवाया। कचड़े में से, एक पुजारी ने मूसा द्वारा दी गयी यहोवा की व्यवस्था की पुस्तक को पाया।

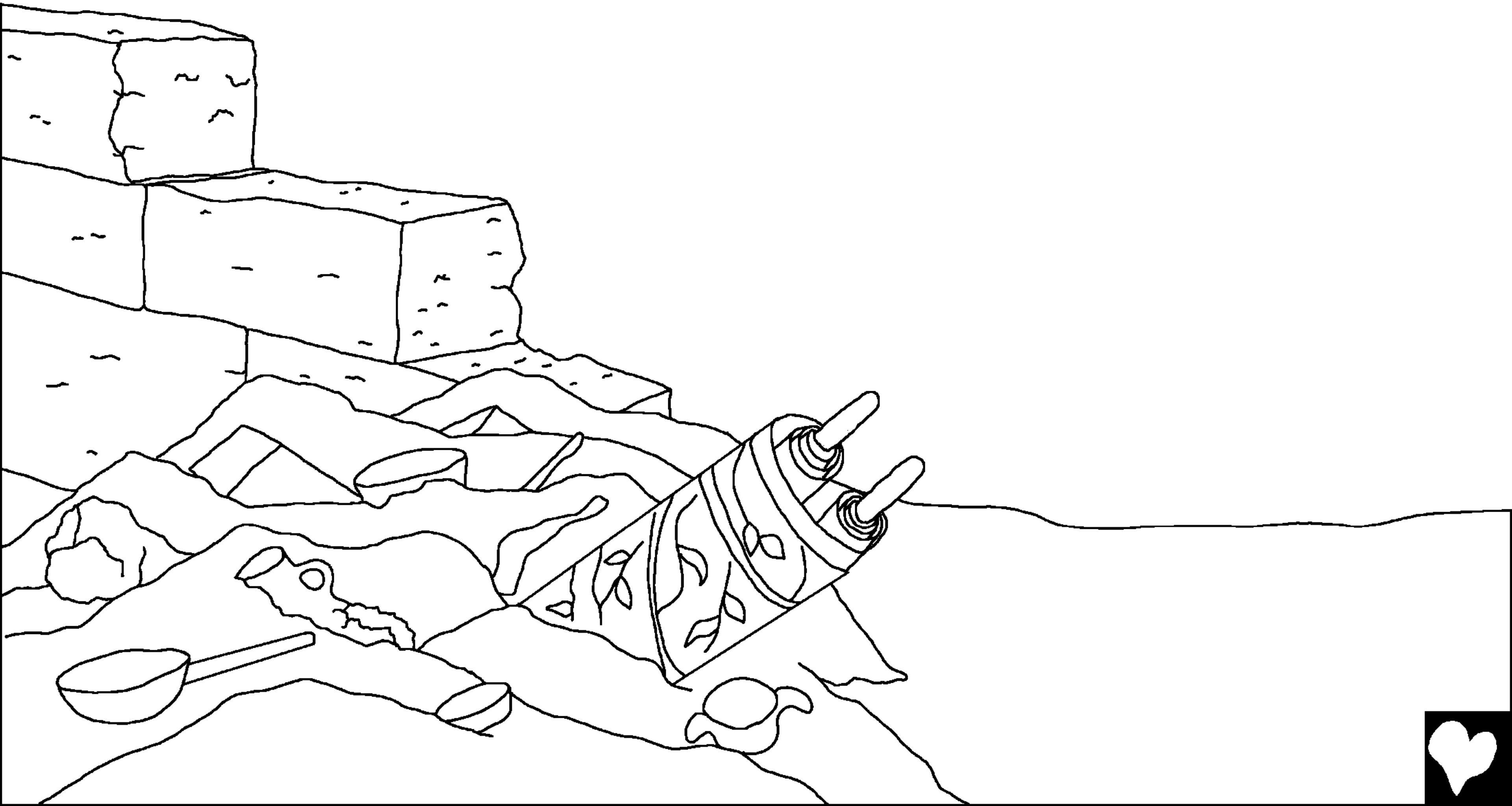

जब राजा ने व्यवस्था की पुस्तक के वचन को सुना, वह दुः ख में अपने कपड़े फाड़े। योशिय्याह जान लिया की उसके अपने पूर्वजों ने परमेश्वर के कानून का अवहेलना करके कैसे दुष्टता दिखाई है।

हुल्दाह नामक एक भविष्यद्वक्ता ने योशिय्याह को परमेश्वर का संदेश दिया। "यहोवा यह कहता है, वे मुझे छोड़ दिये हैं, इसलिए जो पुस्तक में सब शाप लिखा है, मैं इस जगह पर लाऊंगा।" लेकिन, क्योंकि योशिय्याह एक, विनम्र और आज्ञाकारी राजा था। जब तक वह न मर जाये, ऐसा नहीं होगा।

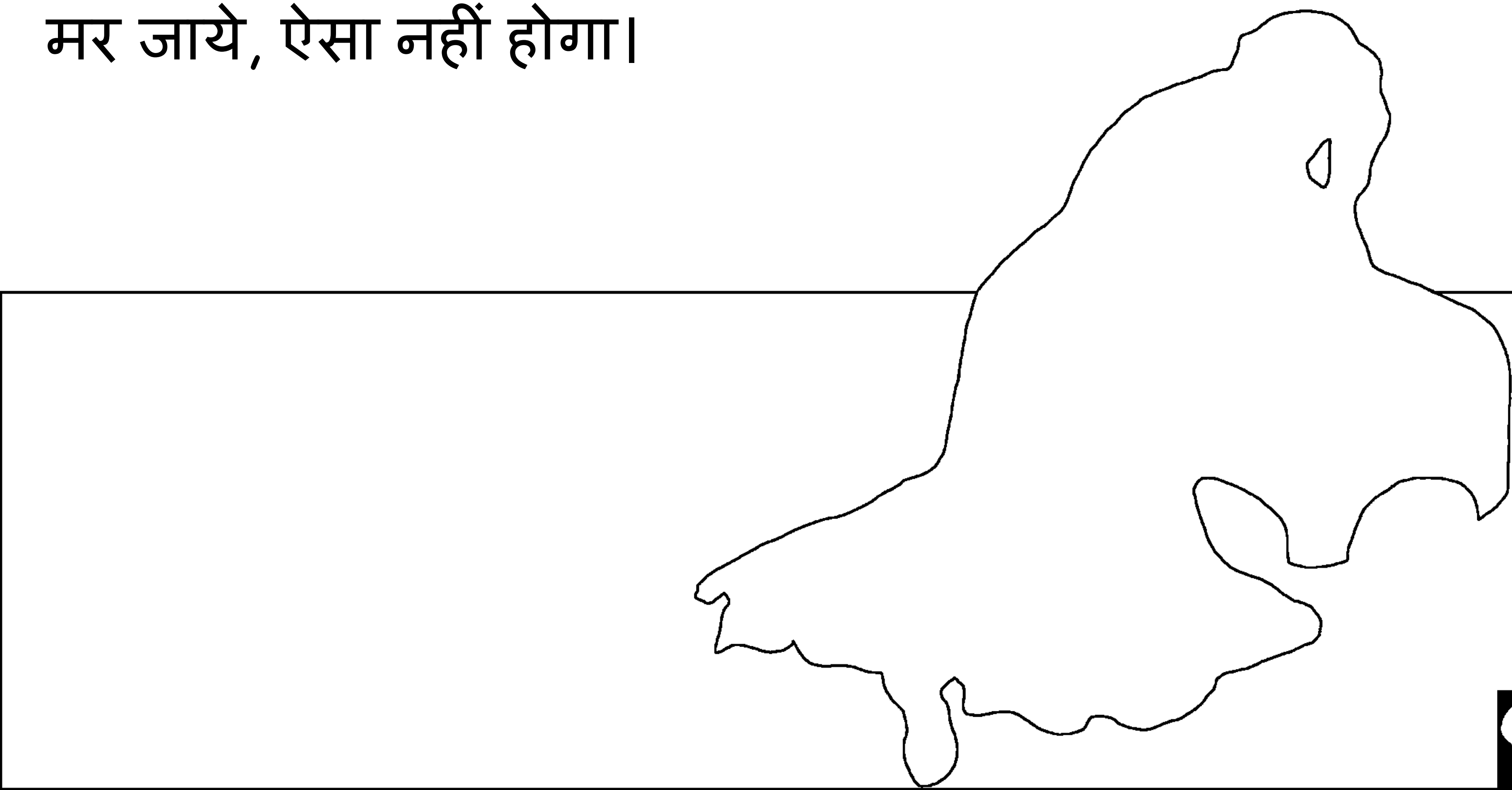

परमेश्वर ने वापस अपने लोगों को यहोवा के पास लाने में योशिय्याह की मदद किया। एक दिन लड़ाई में सेना का नेतृत्व करते हुए, योशिय्याह बुरी तरह से एक दुश्मन के तीरंदाज से घायल हो गया। उसके कर्मचारियों ने उसे एक रथ में रख कर यरूशलेम को उसके घर ले गये जहाँ उसकी मृत्यु हो गयी। उसके सभी अपने लोगों ने विलाप किया, और अच्छे राजा योशिय्याह के बारे में एक गीत बनाया।

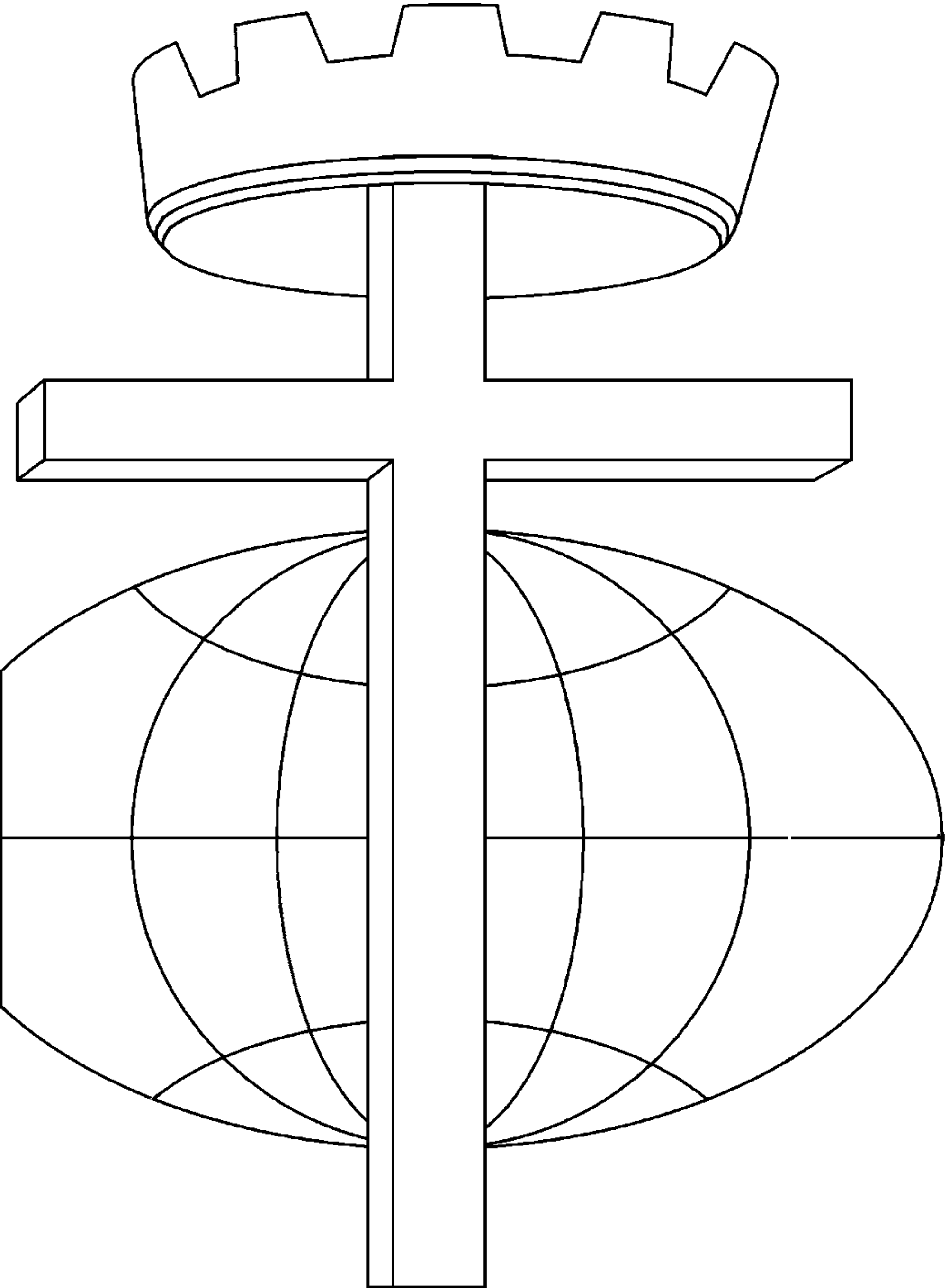

इसके तुरंत बाद उसका राज्य समाप्त हो गया। लेकिन किसी दिन, एक राजा, इस्राएल पर फिर से राज करेगा। उसका नाम राजाओं का राजा, और प्रभुओं का प्रभु है। जब यीशु मसीह पहली बार आया तो उसे अस्वीकार कर दिया और क्रूस पर चढ़ा दिया गया। अब यीशु मसीह फिर से आएगा, तब वह केवल इस्राएल का राजा नहीं बल्कि सारी पृथ्वी पर राज करेगा।

अच्छे राजा, और बुरे राजा

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

2 इतिहास 33-36

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्‍भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16